THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) and (b) The estimated cost of Gandhidham-Bhuj section is Rs. 42.30 crs. and an outlay of Rs. 2.12 crores have been provided for the year 1997-98. For Gandhidham-Radhanpur-Palanpur section, a survey has recently been taken up and further consideration of the project would be possible once the survey report becomes available.

(c) Constraint of resources.

(d) Gandhidhan-Bhuj section is expected to be completed in 1998-99.

इंटर-सिटी एक्सप्रेस में आरक्षण कोटा

1990. **श्री शिव चरण सिंह:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन सं॰ 4005 और 4006 में चित्तौड़गढ़ से चढ़ने वाले यात्रियों के लिए कोई आरक्षण कोटा नहीं है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए कम से कम 10 बर्थ का कोटा निर्धारित किया जा रहा है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (ग) 4005/4006 इन्दौर-निजामुद्दीन इंटर-सिटी एक्सप्रेस चित्तौड़गढ़ स्टेशन होकर नहीं जाती है। इस प्रकार इस स्टेशन पर इस गाड़ी में बाहरी स्टेशन का कोटा आबंटित करने का प्रस्ताव नहीं है। हालांकि, चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर अन्य दो गाड़ियों में दिल्ली के लिए पहले से पर्याप्त आरक्षण कोटा उपलब्ध है।

विक्रमशिला (मगध) एक्सप्रेस ट्रेन का मॉडल ट्रेन में बदला जाना

1991. **श्री जर्नादन यादव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार दिल्ली और भागलपुर के बीच चलने वाली विक्रमशिला (मगध) एक्सप्रेस ट्रेन को मॉडल ट्रेन में बदलने जा रही है; और

(ख) मॉडल ट्रेन की विशेषताएं क्या-क्या है तथा विक्रमशिला एक्सप्रेस ट्रेन कब तक मॉडल ट्रेन के रूप में चलने लगेगी?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Direct train from Gandhidham to New Delhi via Ahmedabad-Nadiad-Godhra

1992. SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the proposed conversion of railway line into BG between Ahmedabad and New Delhi and further extension to Gandhidham will take many years for completion and making operational;

(b) whether it is a fact that a direct train connecting New Delhi with Gandhidham is a necessity in view of the fact that a large number of Central Government employees/Defence personnel stay at Kutch which is bordering with Pakistan;

(c) whether his Ministry has chalked out any programme for running a direct train from Gandhidham to New Delhi via Ahmedabad-Nadiad-Godhra to meet the persistent demand as a stop gap arrangement; and

(d) if so, by when this train is likely to be introduced and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) No, Sir. Delhi Ahmedabad gauge conversion work has already been completed and the line has also been commissioned whereas a BG line already exists between Gandhidham and Ahmedabad. With this, a direct BG line between Delhi and Gandhidham has been established.

(b) There has been some demands in this regard.

(c) No, Sir.

(d) Due to operational and resource constraints, this new train is not feasible.

दक्षिण-पूर्व रेलवे के अन्तर्गत हुई रेल दुर्घटनाएं

1993. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1991-92 से 1993-94 की अवधि के दौरान दक्षिण-पूर्व रेलवे के अन्तर्गत प्रति वर्ष कितनी माल गाड़ी एवं यात्री गाड़ियां दुर्घटना ग्रस्त हुई हैं;

(ख) इनमें से कितनी दुर्घटनाएं मानवीय गलतियों एवं कितनी तकनीकी खामियों की वजह से हुई हैं;

(ग) इन दुर्घटनाओं से जन एवं धन की प्रति वर्ष हुई हानि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस रेल मार्ग के अन्तर्गत रेल का कितना लंबा पटरियों को पुरानी हो जाने के कारण बदले जाने की आवश्यकता है, तथा इनको बदले जाने के लिए की जा रही कार्यवाही ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (ग) सूचना निम्नानुसार है:—

	1991-92	1992-93	1993-94
मालगाड़ियों की दुर्घटनाएं	65	82	85
यात्री गाड़ियों की दुर्घटनाएं	20	25	19
मानवीय चूक के कारण दुर्घटनाएं	64	81	68
उपस्कर की खराबी के कारण दुर्घटनाएं	8	10	17
मारे गए व्यक्तियों की संख्या	13	54	31
रेल सम्पत्ति को हुई क्षति की लागत (करोड़ रु० में)	6.51	13.80	22.51

(घ) 1.4.1997 को 2143 कि० मी० रेलपथ का नवीकरण करना शेष है। इसमें से 1429 कि०मी० रेलपथ नवीकरण के लिए स्वीकृत कर दिया गया है। 1997-98 के दौरान, 1429 कि०मी० रेलपथ में से 610 कि०मी० रेलपथ के नवीकरण करने की योजना बनाई गई है। यह 1997-98 के दौरान 290 करोड़ रु० के बजट आबंटन पर आधारित है।

भोपाल-झांसी खंड में रेलवे के सामान की चोरी

1994. **श्री राघव जी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मध्य रेलवे में भोपाल-झांसी के बीच स्लीपर्स, क्लेम आदि जैसे रेलवे के सामान की चोरी के मामले गत एक वर्ष के दौरान प्रकाश में आये हैं?

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या चोरी के मामले में लिप्त अपराधी पकड़े गये है, यदि हां, तो उनके नाम क्या-क्या है तथा अब तक उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) गत वर्ष 1996 में एक प्रकरण पंजीकृत किया, जिसमें चोरी गई रेल संपत्ति कीमत रू० 70,000/- पूर्ण रूप से बरामद हुई एवं 5 बाहरी व्यक्ति गिरफ्तार किये गये। मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

इस वर्ष 1997 माह जून तक तीन प्रकरण पंजीकृत किये जिनमें रु० 2,82,000/- कीमत की रेल संपत्ति चोरी गयी जिसमें से 2 प्रकरण में रु० 2,42000/- की रेलवे संपत्ति बरामद करके 8 बाहरी व्यक्ति और 5 रेल कर्मचारियों को गिरफ्तार किया व रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम के अंतर्गत जांच जारी है। रेल कर्मचारियों में से 4 को निलम्बित किया गया एवं रेल पथ निरीक्षक को विदीशा से अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया। गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम निम्नलिखित है:—

बाहरी व्यक्ति

लखन, मुन्ना, सियाराम, गुलाब, कल्लू, केशव उत्तम सिंह, राजू

रेल कर्मियों के नाम

दयाराम, सुरेश चंद्र राजपूत, आर० सी० मीना, सियाराम वर्मा, बैजनाथ मिश्रा।

द्रुत-परिवहन व्यवस्था हेतु सर्वेक्षण

1995. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बडोदरा जंक्शन में मिलने वाली आठों सेक्शन की प्रत्येक रेल लाइन के संबंध में दैनिक यातायात सर्वेक्षण कर लिया गया है ताकि द्रुत परिवहन व्यवस्था को लागू किया जा सके;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;